नान्याकॆ चि०तिसलि नान्याकॆ धेनिसलि
तानागि श्री राघवे०द्रयति ऒलिद ॥ प ॥
पोरतनदवनु ऎरडु थॆरेगळलि
दूरागि मोरॆयु अल्लवे०दु
कारुण्यदि०द तम्मय गुरुतुगळ तोरि
धीर ता करवन्नु पिडिद बळिका ॥ १ ॥
जगदोळगॆ पदार्थगळु गुणदि भु०जिसुव०गॆ
आगद०करनु तानु बळिगॆ ब०दु
बगॆ बगॆयि०दल्लि सुरसपदार्थगळु
सॊगसागि उणिसलु चि०तॆयु०टॆ ॥ २ ॥
पूर्णजल हरिव वाहिनि क०डु बॆदरुवगॆ
करणधारनु तानॆ ब०दु नि०दु
तूर्णदलि करपिडिदु हरिगोलु ऒळगिट्टु
घूर्णिसलु अवनिगॆ चि०तॆयु०टॆ ॥ ३ ॥
तन्नय हितवु ता विचारिसलव०गॆ
चॆन्नागि परमगुरु तानॆ ब०दु
सन्मार्गवनु ताने पेळुवॆनॆनलु
इन्नु आयास उ०टॆ ॥ ४ ॥
एसु जन्मदलि अर्चिसिदॆनो ना इन्नु
वासुदेवविठ्ठल पादपदुम
लेसागि ई सुकृतदि०देन्न हरिदास
ई सुगुण गुरुराय ऎनगॆ ऒलिद ॥ ५ ।